विषय सूची

दशम माला, खण्ड-7 दूसरा सत्र, 1991/1913 (शक)

अंक 21, गुरुवार, 19 दिसम्बर, 1991/28 अग्रहायण, 1913 (शक)

विषय पृष्ठ

निधन संबंधी उल्लेख 1—5

लोक-सभा

गुरुवार, 19 दिसम्बर, 1991/28 अग्रहायण, 1913 (शक)

लोक सभा 11 बजे म० पू० पर समवेत हुई।

[उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए]

[अनुवाद]

निधन सम्बन्धी उल्लेख

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यों मुझे अपने एक साथी श्री विनोद बिहारी महतो के आकस्मिक निधन की सभा को सूचना देने हुए दुःख हो रहा है। वह कल ही सभा में हमारे बीच थे। श्री महतो को कल नई दिल्ली में अचानक दिल का भारी दौर पड़ा और 68 वर्ष की आयु में उनकी अचानक मृत्यु हो गयी।

प्रधान मन्त्री (श्री पी० वी० नरसिंह राव) : उपाध्यक्ष महोदय, इस आकस्मिक निधन से हम सभी को दुःख हुआ है। श्री महतो छोटा नागपुर क्षेत्र के एक प्रमुख नेता थे और वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्य भी थे।

मुझे याद है कि वह लोगों की सेवाओं के लिए अनेकों बार मेरे पास आते रहते थे। उनके मन में लोगों के प्रति सेवा भावना थी और मैं महसूस करता हूं कि अब हमें उनका अभाव खलेगा।

व्यवसाय से वह एक वकील होने के साथ-साथ एक स्वतन्त्रता सेनानी थे और पहले वह बिहार विधान सभा के एक दशक तक सदस्य भी रहे। अतः उनका सार्वजनिक जीवन अनुकरणीय था। वह धारित पद से भी अधिक योग्य थे। मैंने उनकी लोकप्रियता के बारे में काफी सुना है।

हम महसूस करते हैं कि उनके निधन से विशेषतया जनजातीय कल्याण कार्यों में जिसका वे अपने क्षेत्र में नेतृत्व करते थे एक रिक्तता सी आ गई है और उस रिक्तता को भरना कठिन होगा।

मैं स्वयं को शोक प्रस्ताव से सम्बन्ध करता हूं और अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से गहरी सहानुभूति व्यक्त करता हूं।

[हिन्दी]

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (लखनऊ) : उपाध्यक्ष महोदय, शरीर कितना नश्वर है और जीवन कितना क्षणभंगुर है, यह निर्मम सत्य एक बार फिर हमारे सामने उपस्थित हो गया है। श्री महतो कल तक हमारे थे, आज नहीं हैं। अब केवल उनकी स्मृति बाकी है। श्री महतो एक जुझारू नेता थे, जो जीवन भर लड़े। पिछड़ेपन का अभिशाप स्वयं उन्होंने झेला था। झारखण्ड आदिवासियों की पीड़ा उनके द्वारा मुखरित हुई। केवल उन्होंने राजनीतिक लड़ाइयां नहीं लड़ीं, सार्वजनिक क्षेत्र में भी रचनात्मक काम के

द्वारा उन्होंने समाज की सेवा में योगदान दिया। उनके निधन से सार्वजनिक जीवन का एक स्तम्भ ढह गया है। हम सब उनके निधन की शोक की छाया में एकत्रित हुए है।

मैं अपनी ओर से और अपने दल की ओर से उनकी स्मृति में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत नेता के परिवार को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति दे।

श्री राम विलास पासवान (रोसेड़ा) : उपाध्यक्ष जी, अभी हमारे प्रधानमन्त्री जी और अटल जी ने जो उनके परिवार के प्रति संवेदन व्यक्त की है, मैं भी अपने को सम्मिलित करता हूं। हम लोगों को तो उनके साथ में काम करने का बहुत सौभाग्य मिला था और हम लोगों ने साथ-साथ काम भी किया था। किसी को मालूम नहीं था कि कल तक जो हमारे साथ में यहां पर बैठे हुए थे वह आज हम से दूर चले जाएंगे, लेकिन यह विधि का विधान है कि काल के मुंह में किसी को जाने से कोई नहीं रोक पाता है। मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि विनोद बिहारी महतो जैसे लोगों से हम लोगों को प्रेरणा मिलती है। सिद्धांत के प्रति उनका कितना कमिटमेंट था और कभी उन्होंने सिद्धांत के प्रति समझौता नहीं किया और जीवन भर लड़ते रहे। वाणी में कटु जरूर थे, लेकिन उनका दिल उतना ही कोमल था। उन्होंने गरीबों, मजदूरों और किसानों के लिए काम किया। वकील की हैसियत से उन्होंने अपने इलाके में जिस तरह से, किसानों मजदूरों और आदिवासियों को जोड़ने का काम किया, आदिवासी इलाके में विनोद बिहारी महतो के नाम चले जाइए, आज उनके नाम से कितने लोग रोते होंगे, मैं नहीं कह सकता हूं। वह एक सेल्फमेड आदमी थे उनको किसी ने बताया नहीं था। उनके परिवार में कोई ऐसे लोग नहीं थे जिनके बल पर वह आगे बढ़े थे बल्कि स्वयं इतनी ऊंचाई तक उन्होंने अपने कमिटमेंट के बल पर, आइडियोलोजी का सहारा लेकर के उन्होंने आगे बढ़ने का काम किया।

झारखण्ड मूवमेंट को उन्होंने तगड़ा किया और जो सोए हुए आदिवासी थे, जिनको दबा करके रखा गया था उनमें उन्होंने जागृति पैदा करने का काम किया। आज वह हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन मेरे जैसे लोगों को उनसे प्रेरणा मिलती है, लड़ने की भी प्रेरणा मिलती है और सामाजिक बदलाव की भी प्रेरणा मिलती है जोखिम उठाने की भी प्रेरणा मिलती है। आज वह हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनके आदर्श हमारे बीच में कायम रहेंगे और हमारे बीच में रोशनी देने का काम करेंगे। हम अपनी तरफ से, अपने दल की तरफ से उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : उपाध्यक्ष जी, प्रधानमन्त्री, अटल जी पासवान जी ने जो उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है, मैं भी अपने को उसमें सम्मिलित करता हूं। हम यह समझ रहे हैं कि यह हमारा व्यक्तिगत रूप से उनके साथ एक परिचय था और बहुत दिनों का परिचय था और बहुत दिनों से हम उनको जानते थे। धनबाद के पिछड़े क्षेत्र में, पिछड़ी हुई जाति को और आदिवासियों को संगठित करने के लिए उन्होंने काम किए थे, उस इलाके में जो उनका शोषण हुआ था, जिस तरह की ट्रेड यूनियन एक्टीविटी, कोयला खदान के मजदूरों के ऊपर उनका जो प्रभाव था उसको हमने देखा था।

हम कई बार उनके साथ प्रोग्राम और मीटिंग में भी गए थे तो वहां पर उनका एक सिद्धांत के प्रति जो कमिटमेंट था, यह सबसे बड़ा उनका साथ था, इसलिए आज वहां की पिछड़ी हुई जाति, आदिवासी जाति के लोगों का सबसे बड़ा नुकसान हुआ है, उनके निधन होने से। वह सिर्फ लोकसभा के ही सदस्य नहीं बल्कि तमाम इलाके को नेतृत्व दे रहे थे।

हमारी ओर से, हमारी पार्टी की ओर से उनके परिवार को संवेदन व्यक्त करता हूं।

[अनुवाद]

श्रीमती गीता मुखर्जी (पंसकुरा) : श्री महतो के निधन के सम्बन्ध में आदरणीय प्रधानमन्त्री तथा अन्य सभी साथियों द्वारा जो विचार व्यक्त किये गये हैं मैं पूर्णतः उनके साथ स्वयं को शामिल करती हूं। आज सुबह जब मैं श्री विनोद बिहारी महतो के पार्थिव शरीर को देखने गई तो मुझे श्री शिबु सोरेन से मालूम हुआ कि उन्हें पहले भी दो बार दिल का दौरा पड़ा था। उसके बावजूद भी वे अस्पताल नहीं गये थे। कल उन्हें तीसरा दिल का दौरा पड़ा था हम उनके यहां आने का इन्तजार करते रहे, जो दुर्भाग्यवश कल की परिस्थिति के कारण संभव नहीं हो सका।

मैं अपनी ओर तथा सी० पी० आई० की ओर से उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं, मैं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा तथा उस क्षेत्र के सम्पूर्ण लोगों के प्रति भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं, जिन्हें श्री महतो का अभाव लम्बे समय तक खलेगा।

प्रो० उम्मारेड्डि वेंकटेश्वरलु (तेनाली) : उपाध्यक्ष महोदय यह एक बहुत ही दुःख घटना है कि इस गरिमा युक्त सभा में एक हमारे साथी का बहुत ही दुःखद परिस्थिति में निधन हो गया है श्री महतो एक स्वतन्त्रता सेनानी थे और वह छोटा नागपुर का प्रतिनिधित्व करते थे। उन्होंने सम्पूर्ण मानवता और विशेषकर जनजाति लोगों के कल्याण की दिशा में स्वेच्छा से सेवा की। वह पेशे से वकील थे और उन्होंने पद-दलित लोगों का नेतृत्व किया। श्री विनोद बिहारी महतो झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वह बिहार विधान सभा में एक विधायक के रूप में एक दशक तक रहे और वह एक सांसद के रूप में कल तक हमारे साथ थे और इस गरिमामुक्त में हम अधिकांशत अपने विचार व्यक्त करते रहते हम उनके निधन से वास्तव में सदन में बड़ा दुःख महसूस कर रहे हैं।

मैं अपनी ओर से तथा तेलुगु देशम पार्टी की ओर से शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनायें व्यक्त करता हूं और उनकी आत्मा की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

श्री पी० जी० नारायणन (गोविचेट्टि पालयम) : श्री महतो के अचानक निधन की खबर सुनकर हमें बड़ा दुःख हुआ है। वह बहुत लोकप्रिय थे और इस सभा के एक सक्रिय सदस्य थे। उन्होंने झारखंड लोगों के हितों के लिए अनेक कार्य किये। उन्होंने जनजातीय लोगों के उत्थान के लिए संघर्ष किया।

श्री विनोद बिहारी महतो के निधन से झारखंड समुदाय को अपार क्षति हुई है। मैं ए० आई० ए० डी० एम० के० की ओर से श्री महतो के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

श्री चित्त बसु (बारसाट) उपाध्यक्ष महोदय, श्री महतो के आकस्मिक निधन के सम्बन्ध में आपने सभा के नेता तथा अन्य सम्माननीय सदस्यों द्वारा जो शोक व्यक्त किया है, मैं उससे अलग नहीं हूं। श्री महतो देश के पूर्वी भाग के एक महान आन्दोलन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक अत्यधिक सम्मानित नेता थे।

महोदय, जीवन पर्यन्त संघर्षरत रहने के कारण वह एक सुप्रसिद्ध व्यक्ति हो गये थे।

महोदय, उन्होंने हमारे देश के जनजातीय लोगों की अलग पहचान बनाने की दिशा में जीवन पर्यन्त संघर्ष किया। वे जनजातीय लोगों की भाषाओं को जीवित रखने के लिए लड़े। उन्होंने देश के कुछ हिस्सों में बहुत ख्याति प्राप्त की।

यह सच है कि मेरी पार्टी और हममें से अनेक व्यक्ति उनके द्वारा चलाये जा रहे कुछ राजनीतिक

कार्यक्रमों से सहमत नहीं थे लेकिन एक व्यक्ति के रूप में एक नेता के रूप में, उन्होंने पद दलित, वंचित तथा गरीब लोगों के उत्थान के लिए जो संघर्ष किया और सभा को एक नई दिशा देने के लिए जो संघर्ष किया इससे उन्हें एक वर्ग में लोकप्रियता मिली।

महोदय, उनके निधन से हमारे वंचित तथा शोषित वर्ग के लोगों ने अपने हितों के एक प्रबल समर्थक तथा बहादुर योद्धा को खो दिया है। मैं उन्हें नमन करता हूं। मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से मैंउनके शोक संतप्त परिवार के प्रति गहन संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

श्री पी० सी० चाको (मुक्तुपुजा) : महोदय, मैं अपनी पार्टी केरल कांग्रेस की ओर से इस महान नेता के निधन पर दुःख व्यक्त हूं। श्री महतो एक सच्चे इन्सान थे जो उस उद्देश्य के प्रति जिसके लिए वह संघर्ष करते रहे दृढ़निष्ठ रहे।

मुझे उन से एक मामले में सहयोग करने का मौका मिला जिसके लिए मैं लगभग सभी सदस्यों के पास हस्ताक्षर के लिये गया था और जो दलितों के हित के लिए भी था। मुझे याद है कि उस समय उन्होंने पूरा समर्थन दिया था और उन्होंने मुझे इस कार्य को शीघ्र करने के लिए प्रोत्साहन भी दिया था।

मैं उनके निधन पर गहन दुःख व्यक्त करता हूं। मैं एक बार अपनी पार्टी की ओर से पुनः दुःख व्यक्त करता हूं।

श्री इब्राहिम सुलेमान सेठ (पौन्नानी) : उपाध्यक्ष महोदय मैं श्री विनोद बिहारी महतो के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करता हूं। जो अभी कल तक लोक सभा के सदस्य थे। वह उच्च गुणों से परिपूर्ण थे। उन्होंने कमजोर वर्ग के लोगों विशेषतया जनजातीय लोगों के हितों के लिए संघर्ष किया।

उनके निधन से इस सभा को लोगों तथा उनकी झारखण्ड पार्टी को वास्तव में जो क्षति हुई है उसे पूरा नहीं किया जा सकता।

मैं उनकी झारखण्ड पार्टी, उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और उनकी आत्मा की शन्ति के लिए प्रार्थना करता हूं।

श्री मोरेश्वर सावे (औरंगाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय मैं, अपनी ओर से तथा अपने दल शिव सेना की ओर से अपने साथी श्री विनोद बिहारी महतो के दुःखद तथा असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करता हू।

मैं शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं और सहानुभूति व्यक्त करता हू। मैं प्रधानमन्त्री तथा अन्य विभिन्न दलों के नेताओं द्वारा उनके निधन पर शोक व्यक्त करने में पूरे सदन के साथ हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : मैं माननीय प्रधानमन्त्री तथा दलों और ग्रुपों के नेताओं द्वारा हमारे साथी और अच्छे मित्र श्री महतो के निधन पर व्यक्त किये गये दुख में शामिल हूं।

श्री महतो लोक सभा के लिए बिहार के गिरिडीह निर्वाचन क्षेत्र से इस वर्ष हुए आम चुनाव में निर्वाचित होकर आये। इससे पूर्व, लोक सभा के लिए निर्वाचित होने तक वह 1980 से 1991 तक बिहार विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने बिहार सभा की विभिन्न समितियों में भी कार्य किया था।

श्री महतो पेशे से वकील थे, उन्होंने शिक्षा प्रसार के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर भाग लिया और उन्होंने

अनेक शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना की। वह एक सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता थे और उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों में विद्यमान सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए अनवरत संघर्ष किया। उन्होंने देश के स्वतन्त्रता संग्राम में भी भाग लिया था।

हम अपने इस मित्र के निधन पर गहन दुःख व्यक्त करते हैं। हमारे द्वारा व्यक्त की गई संवेदना शोक संतप्त परिवार को भेजी जायेंगी।

अब सभा थोड़ी देर के लिए मौन खड़ी होगी।

तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे

उपाध्यक्ष महोदय : मृतक के सम्मान में सभा कल 11.00 म० पू० पर पुनः समवेत के लिए स्थगित होती है।

11.20 म० पू०

तत्पश्चात् लोक सभा शुक्रवार, 20 दिसम्बर, 1991/29 अग्रहायण, 1913 (शक) 11 बजे तक के लिए स्थगित हुई।

मुद्रक : सनलाईट प्रिंटर्स, 2265, डा० सेन मार्ग, दिल्ली-6